पुलिस; अपराधों पर अंकुश लगाने और ट्रैफिक संभालने के लिए तकनीक जुटा रही

एफआईआर होते ही AI सामने रख देगा अपराधी की कुंडली

जयपुर | कमिश्नरेट पुलिस खुद को तकनीक के साथ अपडेट कर रही। अपराध पर नकेल कसने के लिए पुलिसकर्मियों को एआई फ्रेंडली बना रहा है।

1. अपराधी की पहचान

अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से एफआईआर में नाम लिखते ही अपराधी की कुंडली खुलेगी। संगठित व बार-बार अपराध करने वाले बदमाशों की पहचान में मदद मिलेगी।

2. अनुसंधान में मदद

एफआईआर दर्ज करने के दौरान धाराएं जोड़ते ही उसी तरह के पूर्व में हुए अपराध और इस तरह के अपराध को अंजाम देने वाले बदमाशों की डिटेल मिल जाएगी।

3. एआई लैस फेस डिटेक्टर कैमरे अपराधियों पर रखेंगे नजर

प्रदेश में भीड़ वाले स्थानों पर एआई तकनीक के फेस डिटेक्टर कैमरे लगेंगे। इनके सामने से जैसे ही कोई वांछित अपराधी गुजरेगा तो अभय कमांड सेंटर पर अलर्ट आ जाएगा। उसकी पूरी कुंडली का प्रिंट आउट तुरंत निकल जाएगा।

एआई सिग्नलिंग-नाइट विजन कैमरों से होगी शहर की निगरानी

जयपुर | इस वर्ष शहर में ट्रैफिक मैनेजमेंट में बदलाव होगा। जाम से राहत, हादसे रोकने, सिटी ट्रांसपोर्ट को लेकर पूरे वर्ष का रोडमैप तैयार किया गया है।

1. ITMS नाइट विजन कैमरे

आईटीएमएस नाइट विजन कैमरे सिग्नल पर लगेंगे। रात में भी रेड लाइट जंप व ओवरस्पीड के चालान बनेंगे। 25 चौराहों के सिग्नल का टाइमर बदला है, जो एआई से संचालित होंगे।

2. ट्रैफिक सिग्नल टाइम

एआई ट्रैफिक सिग्नल का टाइम एडजस्ट करेगा। जहां ट्रैफिक ज्यादा होगा, वहां ऑटोमेटिक ग्रीन लाइट का समय बढ़ेगा। ट्रैफिक पुलिस सिटीजन एप भी लॉन्च करेगी।

3. ई रिक्शा में लगेंगे जीपीएस, रूट चेंज करते ही चालान

शहर में ई-रिक्शा के रूट कलर के हिसाब से तय हो चुके हैं। नए साल में इसी से चलेंगे। सभी में जीपीएस लगेंगे। तय रूट बदला तो चालान होगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाने के लिए सर्वे भी कराया जा रहा है।